[श्री भागवत झा आजाद]

जहां तक अंतिम प्रश्न का संबंध है सरकार यह चाहती है कि चाहे हमारे पक्ष का भी कोई महत्वपूर्ण सदस्य क्यों न हो अगर कानूनत: और न्यायत: कोई बात की जानी चाहिए तो उसको अवश्य किया जाना चाहिए। जहां तक पैट्रियट का प्रश्न है, वह इस सवाल से नहीं उठता है।

श्री चन्द्रशेखर (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, भाई महावीर के उस सुझाव से संबंध है कि चाहे कोई भी गवर्नमेंट हो लेकिन वहां के श्रमिकों की रोजी नहीं छीनी जानी चाहिए और बसुमति अखबार बन्द नहीं होना चाहिये। माननीय मंत्री जी ने कहा कि अखबार के मालिक ने यह कहा है कि वे ट्रिपारटाइट मीटिंग में नहीं आयेंगे। मैं सरकार से यह कहना चाहता हूं कि क्या यह सरकार इतनी असमर्थ है कि वह मालिक को सही रास्ते पर नहीं ला सकती है? मैं माननीय मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि पीछे की जितनी घटनाएं हुई हैं उनकी जांच तो होती रहे लेकिन इस अखबार को तुरन्त चलाया जाना चाहिए। सरकार इस अखबार को अपने कब्जे में ले ले और जरूरत पड़े तो श्रमिकों की सहकारी समिति या कोई अन्य व्यक्ति इसको चलाने के लिए तैयार है, तो इस अखबार को चलाया जाय ताकि बसुमति निकलता रहे और मजदूरों की रोटी चलती रहे। यह काम इसलिये भी जरूरी है कि इस तरह की बातें इस सदन में नहीं होनी चाहिए कि कोई माननीय सदस्य हमारी पार्टी से संबंध रखता है इसलिए उनको श्रमिकों के विरुद्ध नीति का परिपालन करने की छूट दे दी जाय। इसलिये मंत्री महोदय को यह आश्वासन देना चाहिये और वह बंगाल की प्रदेश की सरकार को भी निर्देश दे सकती है कि बसुमति के संचालन की कार्यवाही चलाई जानी चाहिये। पिछली मांगों की जांच होती रहे लेकिन अभी उसका संचालन तुरन्त प्रारंभ किया जाना चाहिये।

श्री राजनारायण : चन्द्रशेखर पैट्रियट के बारे में नहीं बोले।

PAPERS LAID ON THE TABLE

ANNUAL REPORT (1968-69) AND ACCOUNTS OFTHE MANGANESE ORE (INDIA) LTD.,NAGPUR AND RELATED PAPER

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI OM MEHTA): Sir, on behalf of Shri Nitiraj Singh Chaudhary, I beg *to* lay on the Table, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956, a copy each of the following papers (in English and Hindi):

(i) Seventieth Annual Report and Accounts of the Manganese Ore (India) Ijniited, Nagpur, for the year 1968-69, together with the Auditors' Report on the Accounts.

(ii) Review by Government on the working of the Company.

fPlaced in Library. *See* No. LT.4440/70 for (i) and (ii).]

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS FOR EXPENDITURE OF THE CENTRAL GOVERNMENT (EXCLUDING RAILWAYS) FOR THE YEAR 1970-71.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH): Sir, I beg to lay on the Table a statement (November, 1970) showing the Supplementary Demands for Grants for Expenditure of the Central Government (excluding Railways) for the year 1970-71 (in English and Hindi).

LEAVE OF ABSENCE TO SHRI M. R. SHERVANI

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that the following letter dated the 20th November, 1970, has been received from Shri M. R. Shcrvani: —

"I am leaving for Europe and expect to return on the 18th December, 1970. I shall be grateful if leave of absence is granted to me by the House for this period."

Is it the pleasure of the House that permission be granted to Shri M. R. Shervani for remaining absent from all meetings of the House during the current Session?

(No Member dissented)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted.